भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-330

उत्तर दिनांक - 27/11/2024 को दिया गया

स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर

330. डॉ. टी. सुमति उर्फ तामिझाची थंगापंडियन

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के अध्ययन और परीक्षण के लिए निजी क्षेत्र के साथ सहयोग कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इनमें कौन-कौन सी कंपनियाँ शामिल हैं और इसकी संभावित समय-सीमा क्या है;

(ग) क्या सरकार एसएमआर की उच्च पूंजीगत लागत, ईंधन भरने की आवश्यकताओं और प्रसार के जोखिमों का समाधान करने और उनकी वाणिज्यिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) एसएमआर से रेडियोधर्मी सामग्री के विपथन को रोकने के लिए किए गए विनियामक उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार की तमिलनाडु में भविष्य में एसएमआर प्रौद्योगिकी को बढ़ाने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) व (ख) सरकार सार्वजनिक-निजी साझेदारी के माध्यम से भारत लघु रिएक्टरों के निर्माण की संभावना की तलाश कर रही है। लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) वर्तमान में अनुसंधान एवं विकास चरण में है।

(ग) से (ङ) लघु मॉड्यूलर रिएक्टर वर्तमान में अनुसंधान एवं विकास चरण में हैं। इन पहलुओं पर तब समाधान किया जाएगा जब एसएमआर को व्यावसयिक रूप से परिनियोजित किया जाएगा।

*****